A–0153

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL (N)-330

विविध विद्या परम्परा

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकाव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. नाट्य विद्या के उत्पत्ति एवं विकास का वर्णन कीजिए।

3. योगदर्शन को परिभाषित करते हुए अष्टांग योग एवं उसके चिकित्सकीय लाभों का वर्णन कीजिए।

4. वैदिक गणित के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

5. खगोल विज्ञान के प्रतिपाद्य विषयों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सृष्टि प्रक्रिया के सन्दर्भ में निम्न बिन्दुओं में से किन्हीं **दो** पर सूक्ष्म लेख लिखिए–

   (क) हिरण्यगर्भ सूक्त

   (ख) विश्वकर्मा सूक्त

   (ग) पुरुष सूक्त

   (घ) सूर्य सिद्धान्त

2. नाट्य क्या है ? उसके भेदों का वर्णन कीजिए।

3. काव्य विद्या के प्रयोजन एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

4. काव्य के विविध सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

5. ब्रह्माण्ड के प्रमुख घटकों का वर्णन कीजिए।

6. भारतीय गणित के प्रमुख आचार्यों का परिचय दीजिए।

7. राजशेखर के मतानुसार काव्यविद्या के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्न रस सम्प्रदायों का वर्णन कीजिए :

   (क) रससम्प्रदाय

   (ख) रीतिसम्प्रदाय

   (ग) अलंकारसम्प्रदाय

   (घ) ध्वनिसम्प्रदाय

   (ङ) वक्रोक्तिसम्प्रदाय

   (च) औचित्य सम्प्रदाय

****